



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 20]
No. 20]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 24, 1997/ज्येष्ठ 3, 1919
NEW DELHI, SATURDAY, MAY 24, 1997/JYAISTHA 3, 1919

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)
PART II—Section 3—Sub-section (iii)

केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किये गये आदेश और अधिसूचनाएं
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than the Administrations of Union
Territories)

भारत निर्वाचन आयोग
आदेश

नई दिल्ली, 5 मई, 1997

आ. अ. 107 :—यतः लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10 क के अधीन आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारी, और कलेक्टर, भोपाल को 10 दिसम्बर, 1996 को रिपोर्ट के आधार पर 30-भोपाल संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचन लड़ने वाले एक अभ्यर्थी श्री मंशाराम पाल की निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहने के कारण 7 जनवरी, 1997 के अपने आदेश सं० 76, म.प्र./96 (4) के द्वारा निर्दिष्ट किया था।

और यतः जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर, भोपाल ने 24 जनवरी, 1997 के अपने पत्र द्वारा यह सूचित किया कि श्री मंशाराम पाल ने वास्तव में अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा विधि द्वारा अपेक्षित रीति में तो दाखिल किया था किन्तु निर्धारित समय पर नहीं। और

10 दिसम्बर 1996 की उनकी पहली रिपोर्ट में भूल से यह दिखाया गया था कि श्री मंशाराम पाल ने अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल नहीं किया;

और इस मामले को जांच करने पर मन्वेह से परे यह सिद्ध हो गया कि श्री मंशाराम पाल ने विधि द्वारा अपेक्षित रीति में लेखा दाखिल किया था।

और यतः यह भी पाया गया है कि जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर, भोपाल को गलत रिपोर्ट के कारण श्री मंशाराम पाल को आयोग के तारीख 7 जनवरी, 1997 के आदेश द्वारा निर्दिष्ट किया गया था :

अतः अब लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 11 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10क के अधीन 7 जनवरी, 1997

के आदेश द्वारा श्री मंशराम पाल पर अध्यारोपित निरवस्था
तत्काल प्रभाव में इसके द्वारा हटाता है।

[सं. म.प्र.-लो. म./30/96]

आदेश में,

एल.एच. फारुकी, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA ORDER

New Delhi, the 5th May, 1997

O.N. 107.—Whereas, the Commission, on the basis of report of District Election Officer & Collector, Bhopal dated 10th December, 1996, has disqualified Shri Mansaram Pal, a contesting candidate at the General Election to the House of the People, 1996 from 30-Bhopal Parliamentary Constituency under section 10A of the Representation of the People Act, 1951, vide Commission's Order No. 76[MP/96(4), dated 7th January, 1997 for his failure to lodge any account of his election expenses;

And whereas, the District Election Officer and Collector, Bhopal informed vide his letter dated 24th January, 1997 that Shri Mansaram Pal had in fact lodged his accounts of election expenses in the manner required by law but not within the prescribed time and that by mistake it was shown in his earlier report dated 10th December, 1996 that Shri Mansaram Pal had not lodged his account of election expenses;

And whereas on examination of the case, it is established beyond doubt that Shri Mansaram Pal has in fact lodged his account of election expenses in the manner required by law;

And whereas it has also been found that the disqualification on Shri Mansaram Pal vide Commission's order dated 7th January, 1997 has resulted due to the wrong report of the District Election Officer & Collector, Bhopal;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11 of the Representation of the People Act, 1951 the Commission hereby removes the disqualification imposed on Shri Mansaram Pal vide order dated 7th January, 1997 under section 10A of the said Act, with immediate effect.

[No. M.P.-HP/30/96]

By Order,

L. H. FARUQI, Secy.

नई दिल्ली, 21 मई, 1997

आ.प्र. 108 :—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950
(1950 का 43) की धारा 13 क की उपधारा (1)

द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत निर्वाचन आयोग हिमाचल प्रदेश सरकार के परामर्श से, डा. एस. बेहुरिया के स्थान पर श्रीमती परमिन्दर माथुर आई.एस. (1974), आयुक्त एवं सचिव (समाज और महिला कल्याण), हिमाचल प्रदेश सरकार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में, उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख में अगले आदेशों तक, इसके द्वारा नामित करता है।

2. श्रीमती परमिन्दर माथुर हिमाचल प्रदेश सरकार के अधीन सभी पदभार या किसी कार्य के पदभारों को तत्काल सौंप दें या धारण करना समाप्त कर दें, जो कि वह ऐसा पदभार ग्रहण करने से पहले धारण कर रही थी।

3. श्रीमती परमिन्दर माथुर मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हिमाचल प्रदेश के रूप में कार्य करते हुए हिमाचल प्रदेश सरकार के अधीन किसी भी प्रकार का कोई अतिरिक्त कार्यभार नहीं ग्रहण करेंगी सिवाय इसके कि उनको राज्य सचिवालय में निर्वाचन विभाग के प्रभारी सरकार का सचिव नामित किया जायेगा।

[सं. 154/हि.प./97]

आदेश में,

बी. आर. ब्रह्मम, सचिव

New Delhi, the 21st May, 1997

O.N. 108.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 13-A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Himachal Pradesh hereby nominates Smt. Parminder Mathur, IAS (1974), Commissioner-cum-Secretary (Social & Women Welfare) to the Government of Himachal Pradesh as the Chief Electoral Officer for the State of Himachal Pradesh with effect from the date she takes over charge and until further orders vice Dr. S. Behuria.

2. Smt. Parminder Mathur shall cease to hold and hand over forthwith the charge of all or any charges of work under the Government of Himachal Pradesh which she may be holding before such assumption of office.

3. Smt. Parminder Mathur while functioning as the Chief Electoral Officer, Himachal Pradesh shall not hold any additional charge whatsoever under the Government of Himachal Pradesh, except that she should be designated Secretary to the Government in charge of Election Department in the State Secretariat.

[No. 154/HP/97]

By Order,

C R. BRAHMAM, Secy.